A-0393

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

MAJY-502

सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन–01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. सिद्धांत ज्योतिष का परिचय प्रदान करते हुए आधुनिक परिप्रेक्ष्य में सिद्धांत ज्योतिष की उपादेयता प्रतिपादित कीजिए।

Q.2. नवविधकालमानों का सामान्य परिचय देते हुए व्यावहारिक मानों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

Q.3. स्पष्ट भूपरिधि आनयन की विधि निरूपित कीजिए।

Q.4. भचक्र में राशि एवं नक्षत्र विन्यास के बारे में बताइए।

Q.5. अष्टधा ग्रह गति को विस्तार से निरूपित कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. ज्योतिष शास्त्र का वेदांगत्व सप्रमाण निरूपित कीजिए।

Q.2. भौमादि पंचतारा ग्रहों के भगण प्रमाण लिखिए।

Q.3. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अमूर्त काल को व्याख्यायित कीजिए।

Q.4. ग्रहों की मध्यम गति लिखिए।

Q.5. मूर्त काल के बारे में लिखिए।

P.T.O.

Q.6. ग्रहों का सामान्य परिचय प्रदान कीजिए।

Q.7. भूव्यास एवं भूपरिधि के संबंध को प्रदर्शित कीजिए।

Q.8. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भूगोल स्वरूप का वर्णन कीजिए।

****